प्र. (2).

सिकन्दर लोदी की उपलब्धियों का वर्णन।

14 Wednesday
चैत्र बदी १२-२०७४

सिकन्दर लोदी वंश के संस्थापक बहलोल लोदी का पुत्र और उत्तराधिकारी था यद्यपि वह बहलोल लोदी का ज्येष्ठ पुत्र नहीं था किन्तु राजनीति चालों द्वारा उसने गद्दी प्राप्त किया और दिल्ली का सुल्तान बना। सिकन्दर को विरासत में पश्चिमी सीमान्त से लेकर पूर्व में जौनपुर तक का क्षेत्र हाथ लगा था उसने इस विरासत को विस्तार कर दिल्ली सल्तनत की खोई हुई समृद्धि को पुनः लाने का निश्चय किया उसका सर्वप्रथम कार्य विद्रोही अमीरों से निपटना था। उसने अपने चाचा आलम खाँ को पराजित किया और उसे रोकने के लिए इटावा भेजकर इटावा की सूबेदारी दे दी इसके बाद ईसा खाँ और चचेरा भाई हुमायूँ खाँ, तातार खाँ को पराजित किया।

MAR '18

15 Thursday
चैत्र बदी १३-२०७४

सिकन्दर के सामने बड़ा कार्य अपने बड़े भाई बारबक शाह से निपटना था जो जौनपुर का शासक था। पहले सन्धि करने का प्रयास किया परन्तु हुसैन शाह शर्की के भड़काने पर सन्धि के लिए राजी नहीं हुआ अतः सिकन्दर ने कन्नौज के पास भाई को युद्ध में पराजित कर बन्दी बना लिया सरदारों के सिफारिश पर उसे क्षमा कर जौनपुर की सूबेदारी दे दी लेकिन हुसैन शाह शर्की के समर्थकों ने जौनपुर पर विद्रोह कर दिया जिसे बारबक नहीं दबा सका अतः सिकन्दर बारबक को पद से हटाकर दूसरा व्यक्ति नियुक्त किया।

BANGUR
REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

सिकन्दर ने हुसैन शाह शर्की के के गढ़ विहार पर आक्रमण किया शर्की के समर्थन के बंगाल का शासक जो आग परन्तु इन दोनों को युद्ध में पराजय हुआ इस प्रकार सिकन्दर लोदी का साम्राज्य पूरब में बिहार तक गया। सिकन्दर ने, धौलपुर, चन्देरी जैसे हिन्दू रियासतों पर विजय पाया। बलबन के भाँति अपने सरदारों पर प्रभाव स्थापित करना उसने गुप्तचर व्यवस्था सुदृढ़ किया तथा सूबेदार और अन्य अधिकारियों के हिसाब किताब की जाँच करवाई इस प्रकार अफगान जैसे उच्छृंखल जाति को वश में करने में सफल हुआ।

सिकन्दर लोदी अपने वंश का सबसे महान शासक था वह सुयोग्य सेनापति एवं विजेता था एकाध को छोड़ उसने सभी युद्ध अभियान में सफलता प्राप्त किया उसने स्वयं की शक्ति तथा व्यवस्था स्थापित करने का प्रयत्न किया। सड़कें चोर डाकुओं से मुक्त किया चारो ओर शान्ति का वातावरण बनाया। लेकिन समकालीन मुस्लिम शासकों की तरह असहिष्णु था उसने कई हिन्दू मन्दिरों को तोड़ा। ज्वालामुखी मन्दिर के मूर्ति को तोड़कर उसके टुकड़े कसाइयों को के दुकानों पर बाँट दिया ताकि उनका उपयोग माँस तौलने में हो उसने बोधन नामक हिन्दू को मृत्यु दण्ड इसलिए दिया कि उसने यह कहा था " हिन्दू धर्म इतना ही सच्चा है जितना इस्लाम है " उसने यमुना के घाटों पर हिन्दुओं के तथा नाइयों का द्वारा उनकी हजामत

Friday 16
चैत्र बदी १४-२०७४
MAR '18
Saturday 17
चैत्र बदी १५-२०७४
Sunday 18
चैत्र सुदी १-२०७५
REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

बनाने पर प्रतिबन्ध लगा दिया।

19 Monday
चैत्र सुदी २-२०७५

उपयुक्त गुण दोनों और उपलब्धियों के आधार पर कहा जा सकता है कि सिकन्दर लोदी वंश का सर्वश्रेष्ठ सुल्तान था जो अन्य लोदी शासकों को उसके समान सफलता नहीं मिली लेकिन इतने गुण होते हुए भी वह बड़ा भारी दोष था कि उसने दूसरे सम्प्रदायों और धर्मों के प्रति उसके विचार उदार नहीं थे।

20 Tuesday
चैत्र सुदी ३-२०७५